http://www.rtuonline.com

B.A. (Part III) EXAMINATION 2013

(10+2+3 Pattern) **(Faculties of Arts)**

[Also Common with Subsidiary Paper of B.A. (Hons.) Part III]

(Three Year Scheme)

हिन्दी साहित्य

For Collegiate Candidates

प्रथम प्रश्न पत्र : हिन्दी काव्य (2)

Time : Three Hours Maximum Marks : 100

किसी भी परीक्षार्थी को पूरक उत्तर-पुस्तिका नहीं दी जावेगी। अत: परीक्षार्थी को चाहिए कि वे मुख्य उत्तर-पुस्तिका में ही समस्त प्रश्नों के उत्तर लिखें।

किसी भी एक प्रश्न के अन्तर्गत पूछे गये विभिन्न प्रश्नों के उत्तर उत्तर-पुस्तिका में अलग-अलग स्थानों पर हल करने के बजाय एक ही स्थान पर हल करें।

1. निम्नलिखित काव्यांशों का सप्रसंग पाठ-विश्लेषण कीजिये तथा समाजशास्त्रीय एवं साहित्यिक पक्ष आदि पर बिन्दुवार टिप्पणी लिखिये :

(क) "दुर्बलता इस अस्थि मांस की-
ठोंककर लोहे से, परखकर वज्र से
प्रलयोल्का-खण्ड के निकष पर कसकर,
चूर्ण अस्थिपुंज-सा हँसेगा अट्टहास कौन ?
साधन, पिशाचों की बिखर चूर-चूर होके
धूलि-सी उड़ेगी किस दृप्त फूत्कार से ?

कौन लेगा भार यह ?
जीवत है कौन ?
साँस चलती है किसकी ?
कहता है कौन ऊँची छाती कर, मैं हूँ-
- मैं हूँ - मेवाड़ में ?" 8

अथवा

"रुद्ध कोष है, क्षुब्ध तोष
अंगना-अंग से लिपटे भी
आतंक-अंक पर काँप रहे हैं।
धनी, वज्र-गर्दन से बादल!
त्रस्त नयन-मुख ढाँप रहे हैं।
जीर्ण बाहु, है शीर्ण शरीर,
तुझे बुलाता कृषक अधीर,
ऐ विप्लव के वीर
चूस लिया है उसका सार,
हाड़-मात्र ही है आधार,
ऐ जीवन के पारावार!" 8

http://www.rtuonline.com
http://www.rtuonline.com
http://www.rtuonline.com

http://www.rtuonline.com

(ख) "कर्म-लोक से दूर पलायन-
कुंज बसा कर अपना,
निरी कल्पना में देखा
करती अलभ्य का सपना।"
"वह सपना, जिस पर अंकित
उँगली का दाग नहीं है,
वह सपना, जिसमें ज्वलन्त
जीवन की आग नहीं है।"
"वह सपनों का देश, कुसुम ही
कुसुम जहाँ खिलते हैं,
उड़ती कहीं न धूल, न पथ में
कण्टक ही मिलते हैं।"
"कटु की नहीं, मात्र सत्ता है
जहाँ मधुर-कोमल की,
लौह पिघलकर जहाँ रश्मि
बन जाता विधु-मण्डल की।" 8

अथवा

"किन्तु हम हैं द्वीप।
हम धारा नहीं हैं।
स्थिर समर्पण है हमारा, हम सदा से द्वीप हैं स्त्रोतस्विनी के,
किन्तु हम बहते नहीं हैं क्योंकि बहना रेत होना है।
हम बहेंगे तो रहेंगे ही नहीं।
पैर उखड़ेंगे। प्लावन होगा, ढहेंगे, सहेंगे। बह जायेंगे।
और फिर हम चूर्ण होकर भी कभी क्या धार बन सकते हैं ?
रेत बनकर हम सलिल को तनिक गंदला ही करेंगे।
अनुपयोगी ही बनायेंगे।" 8

(ग) "आत्मचेतस् किन्तु इस
व्यक्तित्व में थी प्राणमय अनबन.....
विश्वचेतस् बे-बनाव!!
महत्ता के चरण में था
विषादाकुल मन!
मेरा उसी से उन दिनों होता मिलन यदि
तो व्यथा उसकी स्वयं जीकर
बताता मैं उसे उसका स्वयं का मूल्य
उसकी महत्ता!
व उस महत्ता का
हम सरीखों के लिए उपयोग
उस आन्तरिकता का बताता मैं महत्त्व!!
पिस गया वह भीतरी
औ बाहरी दो कठिन पाटों के बीच,
ऐसी ट्रैजिडी है नीच!! 8

http://www.rtuonline.com

http://www.rtuonline.com

http://www.rtuonline.com

http://www.rtuonline.com

अथवा

''उन्हें तुम्हारी भूख पर भरोसा था
सबसे पहले उन्होंने एक भाषा तैयार की
जो तुम्हें न्यायालय से लेकर नींद से पहले की -
प्रार्थना तक, गलत रास्तों पर डालती थी
'वह सच्चा पृथ्वीपुत्र है।'
'वह संसार का अन्नदाता है।'
मगर तुम्हारे लिए कहा गया हर वाक्य
एक धोखा है जो तुम्हें दलदल की ओर
ले जाता है'' 8

2. ''सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' छायावाद और प्रगतिवाद दोनों से जुड़े रहे।'' इस कथन को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिये। 20

अथवा

गीतिकाव्य के तत्त्वों के आधार पर महादेवी के गीतों का सोदाहरण मूल्यांकन कीजिये। 20

3. ''अज्ञेय जी 'नयी कविता' के शलाका-पुरुष हैं।'' इस कथन को स्पष्ट करते हुए उनकी प्रमुख काव्य-प्रवृत्तियों को उद्घाटित कीजिये। 20

अथवा

''संकलित कविताओं के आधार पर प्रमाणित कीजिये कि रघुवीर सहाय की कविताओं में राजनीतिक व्यंग्य बहुत गहरा और सटीक बन पड़ा है।'' 20

4. (अ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिये : (शब्द-सीमा : 150 शब्द)
   (i) छायावाद में प्रकृति-चित्रण
   (ii) आधुनिक हिन्दी कविता में राष्ट्रीय चेतना
   (iii) अज्ञेय और प्रयोगवाद http://www.rtuonline.com 2×6

   (ब) निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित शब्द सीमा में दीजिये :
   (शब्द-सीमा : 25 शब्द)
   (i) स्वच्छंदतावादी काव्य की चार प्रवृत्तियाँ बताइये।
   (ii) 'प्रगतिवाद' से क्या अभिप्राय है ?
   (ii) साठोत्तर कविता का मूल स्वर क्या है ?
   (iv) आधुनिकता से क्या तात्पर्य है ? 4×2

5. (अ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर निर्धारित 150 शब्दों में दीजिये :
   (i) राष्ट्रीय काव्यधारा के कवि माखनलाल चतुर्वेदी के भाव-सौन्दर्य का निरूपण कीजिये।
   (ii) ''नागार्जुन की प्रगतिशील चेतना को स्पष्ट कीजिये।
   (iii) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना के कृतित्व और व्यक्तित्व पर संक्षेप में प्रकाश डालिये। 2×6

   (ब) निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित शब्द-सीमा में दीजिये :
   (शब्द-सीमा : 25 शब्द)
   (i) अंधा-युग के कथ्य पर प्रकाश डालिये।
   (ii) 'साकेत' किसकी रचना है तथा इसकी नायिका कौन है ? 2×2

http://www.rtuonline.com
http://www.rtuonline.com
http://www.rtuonline.com

http://www.rtuonline.com

B.A. (Part III) EXAMINATION 2013

For Non-Collegiate Candidates

प्रथम प्रश्न पत्र : हिन्दी काव्य (2)

Time : Three Hours Maximum Marks : 100

किसी भी परीक्षार्थी को पूरक उत्तर-पुस्तिका नहीं दी जावेगी। अत: परीक्षार्थी को चाहिए कि वे मुख्य उत्तर-पुस्तिका में ही समस्त प्रश्नों के उत्तर लिखें।

किसी भी एक प्रश्न के अन्तर्गत पूछे गये विभिन्न प्रश्नों के उत्तर उत्तर-पुस्तिका में अलग-अलग स्थानों पर हल करने के बजाय एक ही स्थान पर हल करें।

1. निम्नलिखित काव्यांशों का सप्रसंग पाठ-विश्लेषण कीजिये तथा समाजशास्त्रीय एवं साहित्यिक पक्ष आदि पर बिन्दुवार टिप्पणी लिखिये :

(क) "कौन लेगा भार यह ?
कौन विचलेगा नहीं ?
दुर्बलता इस अस्थि मांस की-
ठोंककर लोहे से, परखकर वज्र से
प्रलययोल्का-खंड के निकष पर कसकर,
चूर्ण अस्थिपुंज-सा हँसेगा अट्टहास कौन ?
साधन, पिशाचों की बिखर चूर-चूर होके
धूलि-सी उड़ेगी किस दृप्त फूत्कार से ? 8

अथवा

रुद्ध कोप है, क्षुब्ध तोप
अङ्गना-अङ्ग से लिपटे भी
आतङ्क-अङ्क पर काँप रहे हैं।
धनी, वज्र-गर्जन से बादल!
त्रस्त नयन-मुख ढाँप रहे हैं।
जीर्ण बाहु है शीर्ण शरीर,
तुझे बुलाता कृषक अधीर,
ऐ विप्लव के वीर! 8

(ख) छायाएँ मानव-जन की
दिशाहीन
सब ओर पड़ीं-वह सूरज
नहीं उगा था पूरब में, वह
बरसा सहसा
बीचों-बीच नगर के :
काल सूर्य के रथ के
पहियों के ज्यों अरे टूट कर
बिखर गये हों
दसों दिशा में। 8

अथवा

व्यक्तित्व वह कोमल स्फटिक प्रासाद-सा
प्रासाद में जीना
व जीने की अकेली सीढ़ियाँ
चढ़ना बहुत मुश्किल रहा
वे भाव-संगत तर्क संगत
कार्य सामंजस्य-योजित
समीकरणों के गणित की सीढ़ियाँ

1035

http://www.rtuonline.com

http://www.rtuonline.com

http://www.rtuonline.com

http://www.rtuonline.com

हम छोड़ दें उसके लिए। 8

(ग) खड़ा हुआ वह बीच सड़क पर
दोनों हाथ पेट पर रखकर
सधे कदम रखकरके आये
लोग सिमट कर आँख गड़ाये
लगे देखने उसको जिसकी तय था हत्या होगी 8

अथवा

सितारा सभ्यता के जबड़ों में फँसी लड़की के
नाभिकमल को भी कह सकते हैं
लेकिन मैं यहाँ लड़कियों के विषय में चिन्तित नहीं हूँ
मैं चिन्तित हूँ लड़कियों की लड़कियों के बारे में
और मेरी खुशकिस्मती अगर आप कविता के इस सूराख में से
देख सकें कि किस धूर्तता से
भोक्ता समाज ने उपभोक्ता समाज को निगल लिया है 8

2. "महादेवी वर्मा के काव्य में वेदना का नया रूप अभिव्यक्त हुआ है।" छायावाद के सन्दर्भ में सोदाहरण इस कथन की विवेचना कीजिये। 20

अथवा

" 'कुरुक्षेत्र' में दिनकर ने विश्व को शांति, प्रेम व सहयोग का पाठ पढ़ाया है।" कथन का विश्लेषण पठित सर्ग के आधार पर कीजिये। 20

3. "अज्ञेय प्रयोगवाद के प्रमुख हस्ताक्षर हैं।" कथन की पुष्टि पठित कविताओं के उदाहरण सहित कीजिये। 20

अथवा

रघुवीर सहाय की काव्यगत विशेषताओं को सोदाहरण समझाइये। 20

4. (अ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिये : (शब्द-सीमा : 150 शब्द)
   (i) भारतेन्दुकालीन नाटक
   (ii) प्रगतिवादी काव्य की विशेषताएँ
   (iii) समकालीन कविता की भाषा 2×6

   (ब) निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित शब्द सीमा में दीजिये :
   (शब्द-सीमा : 25 शब्द)
   (i) प्रथम तार सप्तक के कवियों के नाम
   (ii) नई कविता में आधुनिक भाव-बोध
   (iii) भारतेन्दु काल के पाँच कवि
   (iv) छायावाद की मुख्य विशेषताएँ 4×2

5. (अ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर निर्धारित 150 शब्दों में दीजिये :
   (i) सुभद्राकुमारी चौहान और उनकी कविता झाँसी की रानी
   (ii) धर्मवीर भारती और उनका काव्य
   (iii) दुष्यन्त कुमार के काव्य में जिजीविषा 2×6

   (ब) निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित शब्द-सीमा (25 शब्द) में दीजिये :
   (i) मैथिलीशरण गुप्त की काव्य रचनाओं के नाम
   (ii) केदार नाथ सिंह की कविताओं में बिम्ब विधान 2×2

http://www.rtuonline.com
http://www.rtuonline.com
http://www.rtuonline.com